Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 16, Issue No. 6, May-2019, ISSN 2230-7540

विश्वविद्यालयों के विधार्थियों द्वारा स्मार्ट फोन की उपयोगिता

(हरियाणा के विश्वविद्यालयों के संदर्भ में एक अध्ययन)

Satish Kumar[1]* Dr. Amit Sangwan[2]

[1] Research Scholar, Department of Mass Communication, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

[2] Assistant Professor, Department of Mass Communication, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

सारांश –** यह शोध पत्र विश्वविद्यालयों के विधार्थियों के बीच स्मार्ट फोन के प्रयोग की प्रवृतियों का अध्ययन प्रस्तुत करता है। हरियाणा के चार विश्वविद्यालयों कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार तथा वाई एम सी ए फरीदाबाद के 1000 छात्रों (500 छात्र + 500 छात्राएं) ने भाग लिया। प्रश्नावली के माध्यम से सवेक्षण द्वारा आंकड़े इक्कठे किए गए। उन्हीं छात्रों को सर्वेक्षण का भागीदार बनाया गया जिसके पास अपना स्मार्ट फोन था। आंकड़ों के आधार पर स्मार्ट फोन की उपयोगिता का मूल्यांकन किया गया तथा इन्हीं आंकड़ों के आधार पर परिणाम प्राप्त किए गए। परिणाम इंगित करते हैं कि विश्वविद्यालयों के अधिकतर विधार्थी स्मार्ट फोन का निरंतर और अत्यधिक प्रयोग करते हैं। अध्ययन में स्मार्ट फोन से सिखने और उसके साधारण प्रयोग पर आधारित प्रश्न पूछे गए। स्मार्ट फोन की उपयोगिता से सम्बधित प्रश्नों में उत्तरदाताओं से स्मार्ट फोन का ब्रांड, उपयोग का स्थान और समय जाना गया जबकि सिखने के बारे में शिक्षा से सम्बधित जैसे कौन सी विषय वस्तु परीक्षा की तैयारी में आपकी अधिक मदद करती है? अध्ययन करते समय स्मार्ट फोन का प्रयोग आदि। शोध के परिणाम ये दिखाते हैं कि सबसे अधिक 36.6 प्रतिशत उत्तरदाता हॉस्टल और 30.3 प्रतिशत घर में स्मार्ट फोन का प्रयोग करते हैं। स्मार्ट फोन पर उत्तरदाता सबसे पहले मनोरंजन सम्बधी वीडियो देखते है बाद में शिक्षा सम्बधी वीडियो का नम्बर आता है। 35.8 प्रतिशत उत्तरदाता अध्ययन के समय स्मार्ट फोन का प्रयोग नहीं करते जबकि कुछ कभी-कभी इसका प्रयोग करते हैं। उत्तरदाताओं ने विषय से सम्बधित नोटस डाउनलोड करने में अच्छी रूचि दिखाई है। 45.3 प्रतिशत उत्तरदाता परीक्षा की तैयारी के लिए स्मार्ट फोन से नोटस डाउनलोड करते हैं।

***विशिष्ट शब्दः-** सिखने के लिए स्मार्ट फोन, स्मार्ट फोन की उपयोगिता, स्मार्ट फोन की एप्लीकेशन।*

---------------------------------x---------------------------------

1. भूमिकाः

वर्तमान में स्मार्टफोन दिन-प्रतिदिन प्रसिद्धि प्राप्त करता जा रहा है। एपल का आई-फोन, रीम का ब्लैबेरी, नोकिया का ई-6 आदि ये सभी भौतिक निर्माण की चिजें है। अब प्रश्न यह उठता है कि वो क्या खास पहचान है जो एक साधारण मोबाईल फोन को स्मार्टफोन से अलग करती है। क्या ई-मेल सुविधा, ब्राउजिंग, जीपीएस प्रणाली, डेस्कटोप टुल्स, डायरी, सम्पर्क, नोटपेड तो नहीं जो स्मार्टफोन को मोबाईल से अलग करते हैं। इसमें कोई सन्देह नहीं कि कल का साधारण फोन आज का स्मार्टफोन बन गया है। साधारण भाषा में यदि स्मार्टफोन को परिभाषित किया जाए तो ये कहा जा सकता है कि ये हाथ में पकड़ कर बात करने वाला एक ऐसा यंत्र है जिसमें पीडीए, पामटॉप और दूसरे सूचनायंत्रों की कार्यप्रणाली को समाहित किया गया है।1 पहला स्मार्ट फोन सीमन, आई.बी.एम. ने 1994 में निकाला। सिमन में संदेश भेजने और ई-मेल प्राप्त करने की भी सुविधा थी। वास्तव में यह पहली बार था जब कम्पयूटर और मोबाईल की कार्यात्मक प्रणाली को मिलाकर एक यंत्र तैयार किया गया जो बाद में स्मार्ट फोन के नाम से

www.ignited.in

प्रसिद्ध हुआ। सन् 2000 में इरिक्सन के आर-380 ने सींबीयन ऑपरेटिंग प्रणाली को अपनाया तथा आने वाले कई सालों तक सींबीयन ने कई स्मार्ट फोनों पर राज किया।2 स्मार्ट फोन बाजार में उस समय क्रान्ति आई जब एपल ने 2007 में अपना पहला स्मार्ट फोन उतारा। तब से लेकर आज तक निरंतर स्मार्ट फोन में नई-नई तकनीक जूड़ती आ रही है और ये और स्मार्ट हो रहा है। इसके बाद नोकिया और सेमसंग ने भी अपने स्मार्ट फोन बाजार में उतारे जो काफी प्रसिद्ध हुए।

मोबाईल उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के कारण आज प्रत्येक व्यक्ति स्मार्ट फोन की चाह रखता है। वर्तमान में स्मार्ट फोन ने डेस्कटोप और मोबाईल कम्पयूटर की जगह ले ली है। सभी तरह की क्रियाएं जो एक साधारण कम्पयूटर पर की जाती है वे सभी अब स्मार्ट फोन पर बड़ी आसानी से हो जाती है जैसे संपादन, चैटिंग, सम्पर्क, किसी उत्पाद या सेवा के लिए आॅनलाईन पैसे देना, नोटपेड, ई-मेल भेजना व प्राप्त करना, ब्राउजिंग, जीपीएस प्रणाली, डेस्कटोप टुल्स, डायरी, आदि। स्मार्ट फोन में आए दिन नई-नई एपलिकेशन आती रहती है जो लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जूड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।3 विश्व भर में मोबाईल उपभोक्ता मोबाईल का परित्याग करके स्मार्ट फोन को बड़ी तेजी से अपना रहे हैं। ैजंजपेजंण्बवउ पर छपे एक लेख के अध्ययन से पता चला है कि 2019 में भारत में स्मार्ट फोन उपभोक्ताओं की संख्या 373.88 मिलियन है जो 2022 में बढ़कर 442.5 मिलियन हो जाएगी। ये आंकड़ें बता रहे हैं कि लोगों का स्मार्ट फोन के प्रति अत्यधिक रूझान हो गया है जो स्मार्ट फोन की प्रसिद्धि को प्रोत्साहित करता है।4

शोध का उद्धेश्य हरियाणा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा स्मार्ट फोन के प्रयोग की प्रवृतियों का अध्ययन करना है। इसलिए स्मार्ट फोन के प्रयोग को दो वर्गों में बांट दिया गया - साधारण प्रयोग और अध्ययन के लिए प्रयोग। यह पत्र इस तरह बनाया गया है- भाग -2 में पूर्व में किए गए अध्ययन का प्रस्तूतिकरण, भाग-3 में शोध पद्धति, भाग-4 में आंकड़ा विश्लेषण पर चर्चा और परिणाण, भाग-5 में शोध प्राप्तियां तथा भाग-6 में निष्कर्ष के बाद यह समाप्त हो जाता है।

2. पूर्व अध्ययन

H.M. Alfawreh and Shaidah Jushoh ने सउदी अरबीया के नाजरान विश्वविद्यालय के विधार्थियों द्वारा स्मार्टफोन के उपयोग सम्बधी एक अध्ययन किया। शोध के परिणाम बताते हैं कि 91.69 प्रतिशत विधार्थी स्मार्टफोन का प्रयोग शैक्षणिक पोर्टल पर लॉग इन के लिए करते हैं। 66.01 प्रतिशत विधार्थियों ने कक्षा से नोटस लेने के लिए इसका प्रयोग नहीं किया वहीं 66.89 प्रतिशत विधार्थियों ने कक्षा में लेक्चर रिकार्ड के लिए भी स्मार्ट फोन का प्रयोग नहीं किया। बहुत से विधार्थियों 54.49 प्रतिशत ने क्लास के नोटस डाउनलोड करने के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल किया। शोध हमें ये भी बताता है कि सउदी अरबीया के विश्वविधालयों के विधार्थी स्मार्टफोन का प्रयोग सम्पूर्णतः सिखने के उद्धेश्य से नहीं करते।5

सयान चकराबोरटी ने 2006 में 'विश्वविद्यालयों के विधार्थियों द्वारा मोबाईल फोन उपयोग करने के तरीके: भारत और यूएसए के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन" नामक शीर्षक के तहत शोध कार्य किया। यह शोध दो भिन्न देशों के बीच मोबाईल फोन के उपयोग की गहन जानकारी देता है। सर्वे से पता चला है कि भारतीय उत्तरदाता अपना फोन हमेशा चालु रखते वे किसी संगीत या फिल्म देखने के समय भी अपना मोबाईल बंद नहीं करते जबकि 36 प्रतिशत अमेरिकी इस अवसर पर अपना फोन खुला रखते हैं। जब उत्तरदाताओं से ड्राइविंग करते समय फोन का उपयोग जाना गया तो दोनों के विचारों में अंतर पाया गया। भारत के 32 प्रतिशत विधार्थियों ने कहा है कि वे ड्राइविंग के समय वे मोबाइल का प्रयोग नहीं करते जबकि अमेरिकीयों की संख्या महज 10 प्रतिशत है।6

हैंस जी फ्रेडेल ने स्मार्ट फोन-स्मार्ट स्टूडेंटः एक साहित्यिक समीक्षा शीर्षक के अन्तर्गत एक अध्ययन किया जिसमें उन्होंने पाया कि मिडल व हाई स्कूल के विदयार्थियों में स्मार्ट फोन का इस्तेमाल आम बात हो गई है। अध्ययन के अनुसार कई स्कूलों में बच्चों के क्लास रूम में स्मार्ट फोन के इस्तेमाल पर मनाही है, वहीं ऐसे भी कई संस्थान है जो विदयार्थियों को क्लास रूम में स्मार्ट फोन के प्रयोग व संदेश आदि भेजने व ग्रहण करने की सुविधा प्रदान करते हैं।7

स्मार्ट फोन के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर पूर्व अध्ययन शीर्षक के अन्तगत कोयम्बटूर कॉलेज के शोधार्थी एस. गोवाथामी और कम्पयूटर सांईस विभाग के सहायक प्रोफेसर एस. वेंकेटाकृष्णा कुमार ने स्मार्ट फोन के नकारात्मक और सकारात्मक प्रभावों का अध्ययन किया। स्मार्ट फोन का मुख्य नकारात्मक प्रभाव कम्यूटर बाजार पर पड़ा है। अध्ययन से पता चला है कि 65 प्रतिशत से भी अधिक लोग समाचार पढ़ने, स्टेटस अपडेट करने, संदेश लिखने और जबाब देने तथा फोटो पोस्ट करने के लिए स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करते हैं। यह ये दिखाता है कि लोग पर्सनल कम्यूटर को छोड़कर स्मार्ट फोन की ओर अग्रसर हो रहे है। दूरवर्ती शिक्षा के विधार्थी परिवार और काम को बिना प्रभावित किए अपनी शिक्षा को जारी रख सकते है। इसके

अतिरिक्त स्मार्ट फोन से अश्लील फिल्में, रिकॉर्डिंग, फोटोज या विडियो बनाकर बदमाशी की जा सकती है। इसके विपरित स्मार्ट फोन दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। अधिक समय तक स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने से गंभीर बीमारियां जन्म लेती है। अध्ययन में इसे तनाव कम करने का साधन बताया है जबकि इसकी लत को बुरा भी करार दिया है क्योंकि इसका असर सीधा दिमाग पर पड़ता है।8

3. शोध पद्धति

हरियाणा राज्य को सही प्रतिनिधित्व देने के लिए उद्धेश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति से चार विश्वविधालयों महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय वाई.एम.सी.ए.फरीदाबाद का चयन किया गया। विश्वविधालयों का चयन इस आधार पर किया गया है कि वे सम्पूर्ण राज्य की भौगोलिक विविधता तथा गुणों को प्रकट कर सके। शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए विश्वविद्यालयों से विभागों का चयन लॉटरी विधि द्वारा किया गया तथा कान्वियंट सेम्पलिंग से 1000 विधार्थियों से प्रश्नावली भरवाई गई। शोध विशेषज्ञों से प्रश्नावली का मूल्यांकन करवाया गया ताकि कोई त्रुटि ना रहे। प्रश्नावली को दो भागों में बांटा गया हैः- पहले भाग में उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय सूचना और दूसरे भाग में स्मार्ट फोन की उपयोगिता से सम्बधित प्रश्न बनाए गए हैं। स्मार्ट फोन के प्रयोग को दो वर्गों में बांट दिया गया -साधारण प्रयोग और अध्ययन के लिए प्रयोग। निम्न शोध प्रश्न इस्तेमाल किए गए:

1. आप किस कम्पनी का स्मार्ट फोन प्रयोग करते हो?
2. आप स्मार्ट फोन का उपयोग कितने समय से कर रहे हैं?
3. सामान्यतः आप अपने स्मार्ट फोन का उपयोग कहां करते हैं?
4. आप स्मार्ट फोन में किस तरह की वीडियो देखते हैं?
5. क्या आप अध्ययन करते समय स्मार्ट फोन का प्रयोग करते हो?
6. स्मार्ट फोन पर उपलब्ध कौन सी विषय वस्तु परीक्षा की तैयारी में आपकी अधिक मददगार है? करती है?

4. आंकड़ा विश्लेषण और परिणाम

सर्वेक्षण में 50 प्रतिशत छात्र और 50 प्रतिशत छात्राएं थी। अधिकतर उत्तरदाता (28.5) 26 से 30 वर्ष के थे। ज्यादातर (92.5 प्रतिशत) उत्तरदाता अविवाहित तथा (74.4 प्रतिशत) छात्रावास में निवास करने वाले थे। उत्तरदाताओं द्वारा स्मार्ट फोन ब्रांड के प्रयाेग को निम्न लेखाचित्र से स्पष्ट किया गया है-

लेखा चित्र-1

उत्तरदाताओं द्वारा प्रयोग किए जाने वाले स्मार्ट फोन

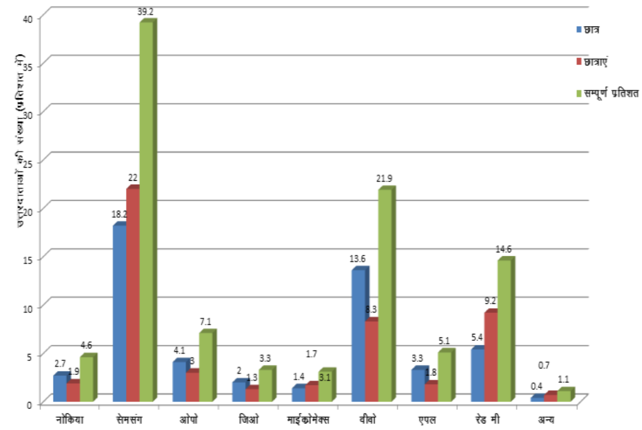

आकड़ों से प्राप्त परिणाम बताते हैं कि उत्तरदाता सबसे अधिक (39.2 प्रतिशत) सेमसंग का स्मार्ट फोन प्रयोग कर रहे हैं जबकि 21.9 प्रतिशत के साथ वीवो दूसरे नम्बर की पसंद बनीं है। उत्तरदाताओं ने तीसरे नम्बर की पसंद में ऑन लाईन बुकिंग पर मिलने वाले रेड मी (14.6 प्रतिशत) को रखा है।

लेखा चित्र-2

स्मार्ट फोन उपयोग करने की अवधि

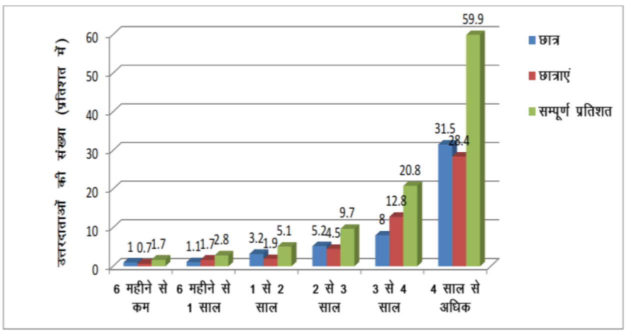

यह प्रश्न पूछने के पीछे शोधकर्ता का उद्धेश्य था कि यह पता लगा सके कि उत्तरदाताओं को स्मार्टफोन प्रयोग करते हुए

www.ignited.in

कितना समय हो गया। शोध में पाया गया कि अत्यधिक 59.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं को स्मार्टफोन की जानकारी हुए 4 साल से भी अधिक का समय हो गया था जबकि 1.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं को स्मार्टफोन की जानकारी मिले अभी 6 महीने से कम का समय हुआ है।

लेखाचित्र-3

स्मार्ट फोन के उपयोग का स्थान

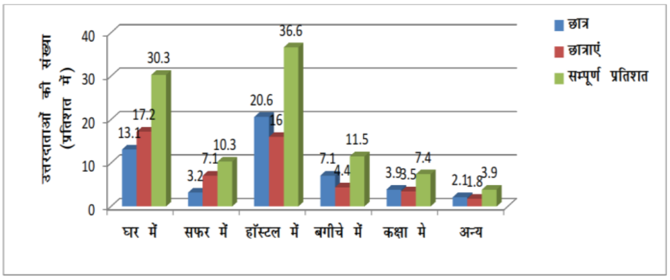

सबसे अधिक 36.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्मार्ट फोन चलाने के लिए हॉस्टल को अपनी पसंदीदा जगह बताया है। 30.3 प्रतिशत उत्तरदाता घर पर ही स्मार्ट फोन का प्रयोग करते हैं स्मार्ट फोन उपयोग के पसंदीदा स्थानों में तीसरा नम्बर 11.5 प्रतिशतत्तता के साथ बगीचे का आता है। 10.3 प्रतिशत उत्तरदाता सफर के दौरान स्मार्ट फोन का प्रयोग करते हैं।

लेखा चित्र-4

स्मार्ट फोन पर देखी जाने वाली वीडियो की सम्बधता

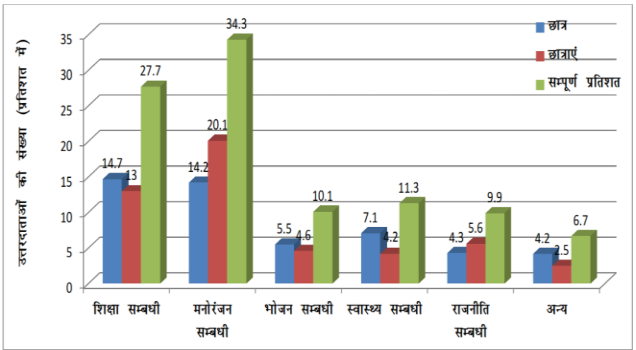

जब स्मार्ट फोन प्रयोगकर्ताओं से ये पूछा गया कि आप किस प्रकार की वीडियो देखते हो तो 34.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मनोरंजन सम्बधी वीडियो का चयन किया। दूसरे नम्बर पर शिक्षा सम्बधी वीडियो देखी जाती है जिनकी तादाद 27.7 प्रतिशत है। तीसरे नम्बर पर 11.3 प्रतिशत उत्तरदाता स्वास्थय सम्बधी वीडियो देखना पसंद करते हैं।

लेखाचित्र-5

अध्ययन करते समय स्मार्ट फोन का प्रयोग

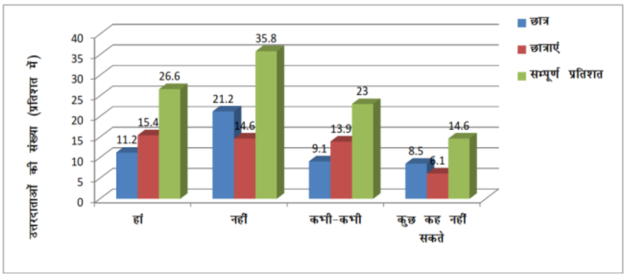

तालिका के आंकड़े और लेखाचित्र ये बता रहे हैं कि 26.6 प्रतिशत उत्तरदाता अध्ययन करते समय स्मार्ट फोन का प्रयोग करते है। वहीं 35.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं की एक बहुत बड़ी संख्या ने ये भी दर्ज करवाया है कि वे अध्ययन करते समय स्मार्ट फोन का प्रयोग नहीं करते।

लेखा चित्र-6

परीक्षा की तैयारी में उपयोगी विषय वस्तु

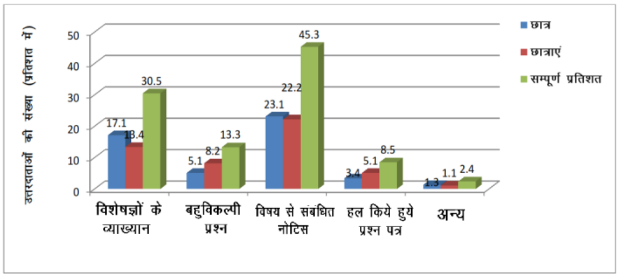

परीक्षा की तैयारी करने के लिए 45.3 प्रतिशत उत्तरदाता स्मार्ट फोन से नोटस डाउनलोड करते हैं जबकि 30.5 प्रतिशत उत्तरदाता विशेषज्ञों के व्याख्यान सूनकर परीक्षा की तैयारी करते हैं। तैयारी के लिए बहु विकल्पी प्रश्न भी खोजे जाते हैं।

निष्कर्ष

विश्लेषण से पता चला है कि सबसे अधिक सेमसंग का स्मार्ट फोन विश्वविद्यालयों के विधार्थियों की पहली पसंद बना है। सेमसंग के बाद वीवों ने विधार्थियों के बीच अपनी जगह बनाई है। विश्वविद्यालय के 59.9 प्रतिशत विधार्थियों को स्मार्ट फोन प्रयोग करते हुए 4 साल से अधिक का समय हो गया है। विधार्थी हॉस्टल में स्मार्ट फोन ज्यादा प्रयोग करते हैं। विधार्थी शिक्षा की बजाए मनोरंजन सम्बधी वीडियो अधिक देखते हैं। अधिकतर विधार्थी अध्ययन के दौरान स्मार्ट फोन का प्रयोग नहीं करते तथा परीक्षा की तैयारी के

लिए विधार्थी स्मार्ट फोन में नोटस और विशेषज्ञों के व्याख्यान अधिक सूनते हैं।

REFERENCE

1. Brad Reed, 2010," A brief history of Smartphone's", https://www.networkworld.com/article/2869645/network- security/a-brief-history-of-smartphones.html

2. Toblas Himmelsbach (2011). "A Survey on today's smartphone usage".

3. Dainow Ernie (2017). "A Concise History of Computers, Smartphones, and the Internet", Create Space Independent Publishing Platform.

4. https://www.statista.com/ statistics/467163/forecast-of-smartphone-users-in-india/,Retrived on 11 May,2019

5. Hejab M. Alfwareh and Shaidah Jusoh (2014). Smartphones usage among university students: Najran University case", International Journal of Academic Research Part B, Vol. 6, issue 2, pp. 321-326

6. Chakraborty Sayan (2006). Mobile phone usage patterns amongst university students: A comparative study between India and USA. https://ils.unc.edu/MSpapers/3152.pdf Retrived on-11 November, 2018

7. Hans G. Friedel (2018). Smartphones-Smart Students: A Review of the Literature, 2001, Retrived on-21 December,2018

8. S. Gowthami P., P. S. Venkata Krishna Kumar (2016). Impact of Smartphone : A pilot study on positive and negative effects ,International Journal of Scientific Engineering and Applied Science (IJSEAS) – Volume-2, Issue-3, Retrived on 25 Sept,2018

Corresponding Author

Satish Kumar*

Research Scholar, Department of Mass Communication, Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

thakan.satish@gmail.com